Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 4

(2022)

9252

M.A. Examination

HINDI

(आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास)

Paper–III

(Semester–I)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Reg. : 80 / Pvt. : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है। अपने को नियामक और कर्ता समझने की बलवती स्पृश उससे बेगार कराती है। उत्सवों में परिचारक और अस्त्रों में ढाल से भी अधिकार-लोलुप मनुष्य क्या अच्छे हैं?

अथवा

और मनुष्य पशु नहीं है। क्योंकि उसे बातें बनाना आता है –अपनी मूर्खताओं को छिपाना, पापों पर बुद्धिमानी का आवरण चढ़ाना आता है। और वाग्जाल की फांस उसके पास है। अपनी घोर आवश्यकताओं में कृत्रिमता बढ़ा कर, सभ्य और पशु से कुछ ऊंचा द्विपद मनुष्य, पशु बनने से बच जाता है।

(ख) पता है कितना खर्च था उन दिनों इस घर का? चार सौ रुपए महीने का मकान था। टैक्सियों में आना जाना होता था। किस्तों पर फ्रिज खरीदा गया था। लड़के-लड़की की कान्वेंट की फीसें जाती थीं.....।

अथवा

मैं जानना चाहता हूँ कि मेरी क्या यही हैसियत है इस घर में कि जो जब जिस वजह से जो भी कह दे, मैं चुपचाप सुन लिया करूँ? हर वक्त की दुत्कार, हर वक्त की कोंच, बस यही कमाई है यहां मेरी इतने सालों की?

(ग) इसे तो तैं न ले जाने दूंगी, चाहे तुम मेरी जान ही ले लो। मर-मर कर हमने कमाया, पहर रात-रात को सींचा, अगोरा इसलिए कि पंच लोग मूंछों पर ताव देकर भोग लगाएं और हमारे बच्चे दाने-दाने को तरसें!

अथवा

उसकी वाणी में सत्य का बल था। डरपोक प्राणियों में सत्य भी गूंगा हो जाता है। वही सीमेंट जो ईंट पर चढ़कर पत्थर हो जाता है, मिट्टी पर चढ़ा दिया जाए तो मिट्टी हो जाएगा। गोबर की निर्भीक स्पष्टवादिता ने उस अनीत के बख्तर को बेध डाला जिससे सज्जित होकर नोखेराम की दुर्बल आत्मा अपने को शक्तिमान समझ रही थी।

(घ) हम हिन्दोस्थान, भारतवर्ष की बात नहीं जानते, हम अपने गांव की बात जानते हैं। आप भला वो जग चला। हम तो इसी गांव का कल्याण देखते हैं कि सभी भाई, क्या गरीब, क्या अमीर, सभी भाई मिलकर एकता से रहें। न कोई जमीन छुड़ावे, न कोई गलत दावा करें। जैसे पहले जीतते आबादते थे, आबाद करें, बांट दें।

अथवा

शिवशक्कर सिंह की आँखें आँसू से धुंधली हो रही हैं..... जब तक हर गौरी की लाश नहीं मिली थी, उन्हें अपने गिरफ्तार होने का डर बना हुआ था। दाह क्रिया समाप्त करके अपने वकील साहब ने राम किरपाल सिंह को रोका। शिवशक्कर सिंह को लगा कि पुल नीचे घंस रहा है, धरती हिल रही है। 4×8=32

(4×9=36)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए :

(क) 'स्कन्दगुप्त' के कथानक का आलोचनात्मक परिचय दें।

(ख) 'स्कन्दगुप्त' का नायक कौन है? अपने मत की पुष्टि में प्रमाण भी दें।

(ग) 'आधे-अधूरे' नाटक के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें।

(घ) 'आधे-अधूरे' की सावित्री का चरित्र-चित्रण करें।

(ङ) 'गोदान' की झुनिया का चरित्र-चित्रण करें।

(च) 'गोदान' की रचना के पीछे प्रेमचंद का क्या उद्देश्य है, स्पष्ट करें?

(छ) मैला आंचल के आधार पर कालीचरण का चरित्रांकन करें।

(ज) आंचलिक उपन्यास के संदर्भ में मैला आंचल की समीक्षा करें। 4×10=40

(4×12=48)

3. निम्नांकित प्रश्नों के अति लघु उत्तर दीजिए :

(क) 'मैला आंचल' में लक्ष्मी की भूमिका क्या है?

(ख) मैला आंचल के मैला होने का कारण क्या है?

(ग) गोदान की मालती के चरित्र की मुख्य विशेषता क्या है?

(घ) गोदान की भाषा शैली पर अपने विचार दीजिए।

(ङ) स्कन्दगुप्त की हास्य योवना पर विचार दीजिए।

(च) 'स्कन्दगुप्त' की भाषा पर टिप्पणी लिखिए।

(छ) 'आधे-अधूरे' के किसी एक पुरुष का चरित्रांकन कीजिए।

(ज) 'आधे-अधूरे' मध्यवर्गीय पारिवारिक जीवन की त्रासदी है स्पष्ट करें। 1×8=8

(2×8=16)